पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

संगीत विशेषज्ञों ने भातखण्डे संगीत संस्थान को अपनी कला से सींचा है - राज्यपाल
भातखण्डे को केन्द्रीय विश्वविद्यालय बनाने का प्रयास किया जाएगा - श्री नाईक

लखनऊ: 18 सितम्बर 2017

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक ने आज संत गाडगे प्रेक्षागृह, उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी में आयोजित चार दिवसीय 'भातखण्डे संगीत समारोह-2017' का उद्घाटन पं0 विष्णु नारायण भातखण्डे की प्रतिमा पर माल्यार्पण करके किया। भातखण्डे संगीत संस्थान के 90 वर्ष पूरे होने पर कार्यक्रम आयोजित किया गया था।

राज्यपाल ने अपने सम्बोधन में कहा कि 90 वर्ष की संगीत साधना महत्वपूर्ण है। पं0 विष्णु नारायण भातखण्डे और परलुस्कर जैसे महान संगीतज्ञों ने उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र का रिश्ता जोड़ा है। अनेक मूर्धन्य संगीत के विशेषज्ञों ने भातखण्डे संगीत संस्थान को अपनी कला से सींचा है। यहाँ के कलाकारों ने केवल उत्तर प्रदेश या भारत ही नहीं बल्कि विश्व में भारतीय संगीत का डंका बजाने का काम किया है। उन्होंने कहा कि संस्थान की श्रेष्ठ परम्परा को बनाए रखने की जरूरत है।

श्री नाईक ने कहा कि संगीत परमेश्वर का दिया हुआ अमूल्य तोहफा है। संगीत सुनने का अपना अलग आनन्द है। कला और छात्रों की गुणवत्ता को संस्थान निरन्तर निखारे। भातखण्डे संगीत संस्थान सम विश्वविद्यालय देश का एकमात्र संगीत विश्वविद्यालय है। इस संस्थान को केन्द्रीय विश्वविद्यालय बनाने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा कि भातखण्डे संगीत समारोह सम्पन्न होने पर यदि उन्हें कार्यक्रम की सी0डी0 मिलेगी तभी वे दिल्ली जाकर केन्द्रीय विश्वविद्यालय के लिए सिफारिश करेंगे।

कार्यक्रम में कुलपति श्रीमती श्रुति सडोलीकर ने स्वागत उद्बोधन दिया। भातखण्डे कृति की प्रस्तुति संस्थान के विद्यार्थियों द्वारा दी गई जिसका निर्देशन डा0 सीमा भारद्वाज ने किया। मुख्य आकर्षण डा0 शशांक मक्तेदार गोवा का शास्त्रीय गायन तथा कलाकार मण्डली द्वारा प्रस्तुत भरत नाट्यम रहा।

अंजुम/ललित/राजभवन (355/27)

भातखण्डे संगीत

90 वर्ष
भातखण्डे संगीत समा ह-2017
भातखण्डे संगीत संस्थान सम–विश्व
कैसरबाग,